प्राक्कथन

तेल तथा प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) में समुद्री लौजिस्टिक्स परिचालनों पर निष्पादन लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के (कर्त्तव्य, अधिकार तथा सेवा की शर्तें) अधिनियमावली, 1971 की धारा 19-ए के प्रावधानों के तहत बनाया गया है। यह लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा एवं लेखा विनियमावली, 2007 तथा निष्पादन लेखापरीक्षा दिशानिर्देशों, 2014 के अनुसार तैयार किया गया है।

लेखापरीक्षा में 2012-13 से 2016-17 तक की अवधि को शामिल किया गया है । प्रतिवदेन तेल तथा प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड से संबंधित दस्तावेजों की संवीक्षा पर आधारित है तथा यह भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की 2002 की प्रतिवेदन संख्या 4 तथा 2005 की प्रतिवेदन संख्या 6 (वाणिज्यिक) की अनुवर्ती कार्रवाई है जो पश्चिमी अपतट में ओएनजीसी के समुद्री लौजिस्टिक्स परिचालन के निष्पादन को शामिल करता है। यह प्रतिवेदन 2012-13 से 2016-17 तक की समयावधि के दौरान समुद्र तटीय आधार प्रबंधन सहित समुद्री लौजिस्टिक्स परिचालनों के अतिरिक्त क्षेत्रों के निष्पादन के साथ-साथ पूर्व के दो प्रतिवेदनों की लेखापरीक्षा टिप्पणियों के स्थिति की जांच करता है।

एक समेकित तेल तथा गैस अन्वेषण तथा उत्पादन कम्पनी ओएनजीसी देश के हाइड्रोकार्बन आउटपुट (2016-17) में 64 *प्रतिशत* योगदान करती है। कम्पनी की समुद्री लौजिस्टिक्स सेवाएं विभिन्न प्रकार की सामग्री/उपस्करों को एकत्र करके तथा उनकी आपूर्ति करके अपतट प्लेटफॉर्म तथा रिगों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा, यह सुरक्षा सेवाएं तथा एक स्थान से दूसरे स्थान पर रिग को स्थानांतरित करने के लिए इन अपटत कार्य स्टेशनों तथा टोइंग सेवा भी प्रदान करता है। लेखापरीक्षा ने प्रकाशित किया कि त्रुटिपूर्ण योजना की वजह से पोतों का परिनियोजन कम हुआ जिसके परिणामस्वरूप अनिवार्य सुरक्षा (स्टैण्डबाई) कार्य, अनुभवहीन ठेकेदार को ठेका देने की वजह से नए पोतों की सुपुर्दगी में विलम्ब, निविदाकरण प्रक्रिया में विलम्ब, निर्धारिती समय-सारणी का क्रियान्वयन न करने की वजह से पोतों का अधिक प्रतिवर्तन

काल, अभावपूर्ण मालसूची प्रबंधन प्रणाली, सुरक्षा प्रक्रियाओं का अनुपालन न करना आदि कार्य उचित ढंग से नही हो पाया ।।

लेखापरीक्षा, इस निष्पादन लेखापरीक्षा के करने में पेट्रोलियम और प्राक्रतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार और ओएनजीसी के अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा दिए गए सहयोग एवं सहायता के लिए आभार व्यक्त करती है।